अमर उजाला
amarujala.com
बरेली
बृहस्पतिवार, 2 फरवरी 2017
बजट 2017-18
DAY/MONTH/YEAR 02/02/2017

'एग्जिट एग्जाम' के खिलाफ उतरे मेडिकल छात्र

एसआरएमएस, रुहेलखंड और राजश्री के छात्रों ने किया प्रदर्शन, आईएमए रही साथ

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

भावी डॉक्टरों के लिए एक और मुसीबत खड़ी हो गई है। अब मेडिकल की पढ़ाई के बाद सीधे रजिस्ट्रेशन कराकर प्रैक्टिस शुरू करने के बजाए नेशनल एग्जिट एग्जाम पास करने का प्रस्ताव सराकर लाई है। जो यह एग्जाम पास नहीं करेगा वह प्रैक्टिस नहीं कर सकता? केंद्र सरकार के इस कदम से नाराज डॉक्टरों और मेडिकल स्टूडेंट ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने नारा दिया कि 'हमें पढ़ने दो'।

आईएमए सभागार में एसआरएमएस मेडिकल इंस्टीट्यूट, रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज और राजश्री मेडिकल कॉलेज के सैकड़ों मेडिकल छात्र इकट्ठा हुए। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. शरद अग्रवाल ने छात्रों से कहा कि आखिर कब तक और कितनी परीक्षा छात्र देंगे। सरकार के इस फैसले के खिलाफ आईएमए छात्रों के साथ है। संयोजक डॉ. रवीश अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालय को न तो शिक्षाविद् संभाल रहे हैं और न ही डॉक्टर। ऐसे में पढ़ाई वाले छात्रों के ऊपर इस तरह के फैसले थोपे नहीं जा सकते हैं। डॉ. विनोद पागरानी भी जबरदस्त गुस्सा दिखा। उन्होंने हूटिंग करके और सरकार के विरोध में नारे लगाकर नाराजगी दिखाई।

आईएमए के डॉक्टर और मेडिकल कॉलेजों के छात्रों ने किया प्रदर्शन।

बोले, एमबीबीएस के बाद हम एग्जाम दें तो नेताओं का भी होना चाहिए एग्जाम

बोले, कि अगर डॉक्टरों की परीक्षा होगी तो नेताओं की भी परीक्षा होनी चाहिए। डॉ. रवि मेहरा और डॉ. राजेश अग्रवाल ने कहा कि पांच साल बाद डिग्री मिलती है, डिग्री पर सवाल उठना मेडिकल कॉलेजों पर सवाल उठने के बराबर है। छात्रों में इनायत उल्ला ने कहा कि हमारे देश में नेताओं के लिए कोई नियम कानून नहीं है जबकि डॉक्टरों के लिए परीक्षा पर परीक्षा है।

तैयारी करने वाले छात्र भी परेशान

कई कोचिंग संचालकों के साथ छात्र प्रदर्शन करने कलेक्ट्रेट पर पहुंचे। यहां सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा गया। कोचिंग संचालक मो. कलीमुद्दीन ने बताया कि सीबीएसई के नोटिफिकेशन में कहा गया है कि छात्र पूर्व में तीन बार एआईपीएमटी नीट में सम्मिलित हो चुके हैं वह अब परीक्षा के योग्य नहीं रहेंगे। इससे छात्रों में गुस्सा है। इस मौके पर फहीम, नाजिम, धीरज गुर्जर, बिलाल खान, निदा हसीन व अन्य शामिल रहे।

एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र अरुण कुमार, रितिक गुप्ता, इकरा खालिद, इशिता तायल, फाउद, नेहा, अकांक्षा, प्रगति, अश्विनी, चकित चौहान, शिवम, अभिषेक व डीएम को ज्ञापन भी भेजा। इस मौके पर सचिव डॉ. राजेश कक्कड़, डॉ. अनूप आर्या, डॉ. सोंधी व अन्य उपस्थित रहे।

हम चैन से पढ़ना चाहते हैं, इसलिए ऐसे फैसले से हमारा हौसला न तोड़ा जाए। आचार संहिता के चलते डॉक्टरों ने आईएमए में ही प्रदर्शन किया और